

CG Board Class 8 Hindi Solutions



CGBSE Class 8 Hindi Solutions

Chapter - 2

एक नई शुरुआत

अभ्यास :

Page no : 9

प्रश्न 1 -श्रीकांत को कक्षा का मॉनीटर क्यों बनाया गया ?

उत्तर :- श्रीकांत को कक्षा का मॉनीटर इसलिए बनाया जाता है क्योंकि कक्षा के दो तिहाई अर्थात 85 %लड़को ने उसके नाम का समर्थन किया था।

Page no : 9

प्रश्न 2- श्रीकांत को मॉनीटर बनाए जाने पर सुधीर की क्या प्रतिक्रिया थी ?

उत्तर :-कक्षा अध्यापक जी ने जब श्रीकांत को मॉनीटर बनाए जाने की घोषणा की तो सभी लड़के तो तालिया बजाने लगे परन्तु उसकी कक्षा का एक लड़का सुधीर ही ऐसा था जो श्रीकांत को तिरछी आँखों से घूर रहा था, परन्तु जब श्रीकांत ने उसकी ओर देखा तो उसने अकड़कर गर्दन दूसरी ओर घुमा ली।

Page no : 9

प्रश्न 3- श्रीकांत को कक्षा के साथी सुधीर से किस प्रकार के व्यवहार की अपेक्षा थी ?

उत्तर :- श्रीकांत को सुधीर के ऐसे अप्राकृतिक व्यवहार की आशा नहीं थी। अतः सुधीर का व्यवहार अपने प्रति बदला हुआ देखकर श्रीकांत हतप्रभ रह जाता है। पूरी कक्षा में सिर्फ सुधीर ही ऐसा लड़का था जो अध्यापक के इस निर्णय से नाखुश था। जब श्रीकांत ने उसकी ओर देखा तो सुधीर ने अकड़ कर अपनी गर्दन दूसरी ओर घुमा ली। अतः सम्पूर्ण घटनाक्रम से यह पता चलता है कि श्रीकांत को सुधीर के इस अप्राकृतिक व्यवहार का तनिक भी अनुमान न था।

Page no : 9

प्रश्न 4- सुधीर मन-ही-मन श्रीकांत से ईर्ष्या क्यों करता था ?

उत्तर :-सुधीर स्वभाव से ही गुस्सैल ,अक्खड़ और शरारती था। वह मन -ही -मन श्रीकांत से ईर्ष्या भी करता था अतः इस प्रकार के मनुष्यों का कभी भी सबसे मिल जुलकर रहना अत्यंत ही कठिन कार्य होता है। वह सबसे मिल कर रहने पर अपने आप को झुका हुआ महसूस करने लगते हैं। जिसके कारण वे और भी गुस्सैल और एकाकी होते चले जाते हैं। जब कि उसके विपरीत श्रीकांत छः माह पहले ही उस शहर में आया था। उसकी शरीफता और होशियारी ने कक्षा के बच्चों को ही नहीं अपितु अध्यापकों को भी प्रभावित किया था। जिसके कारण वह अपने सहपाठियों तथा शिक्षकों को पहली पसंद बन गया था। यही सब कारण रहे होंगे जिससे सुधीर मन -ही -मन श्रीकांत से ईर्ष्या करने लगा।

Page no : 9

प्रश्न 5- किस घटना के बाद सबने सुधीर से बात करना कम कर दिया था ?

उत्तर :- सुधीर बचपन से ही शरारती था और उसकी संगत भी गलत लड़को की हो गयी थी। जब वह आठवीं कक्षा में था तब उसे सजा के रूप में पूरे विद्यालय के सामने स्टेज पर खड़ा रखा गया था। इसी घटना के बाद से सबने सुधीर से बात करना कम कर दिया था।

Page no : 9

प्रश्न 6- सुधीर के बारे में छात्रों और शिक्षकों की क्या मान्यताएं थीं ?

उत्तर :- सुधीर के बारे में छात्रों और शिक्षकों की धारणाये थी कि वह एक बुरा लड़का है तथा उसकी संगत भी बुरे लड़को की है। सुधीर स्वभाव से गुस्सैल, गैरजिम्मेदार और अक्खड़ भी था। जिसके कारण सभी उससे दूरी बनाकर रखना चाहते थे, अर्थात् सभी ने उसे बिगड़ा हुआ मान लिया था।

Page no : 9

प्रश्न 7- सुधीर ऐसा कौन-सा काम करता था जिससे श्रीकांत को मॉनीटर का काम सम्हालने में परेशानी होती थी ?

उत्तर :- सार्वजनिक अपमान ने सुधीर को बिल्कुल ही बिगड़ल बना दिया था। उसका स्वभाव सब के प्रति अच्छा नहीं था। वह ऐसी हरकतें करता जिससे श्रीकांत को परेशानी होती और उसे अध्यापक की डांट भी सुननी पड़ती थी। जब भी श्रीकांत ब्लैकबोर्ड साफ करके जाता सुधीर ब्लैक बोर्ड पर हस्यपद कार्टून बना देता तथा अध्यापक के आने पर वह अपने कुछ मित्रों के साथ मिल कर कक्षा में शोर मचाने लगता जिसके कारण श्रीकांत अपनी मॉनीटर की भूमिका नहीं निभा पाता और उसे अध्यापक की डांट सुननी पड़ती थी। इन्हीं घटनाओं के कारण श्रीकांत को मॉनीटर का काम सम्हालने में परेशानी होती थी।

Page no : 9

प्रश्न 8- सुमेश की बात सुनने के बाद श्रीकांत सुधीर की गिरावट के लिए किसको उत्तरदायी मानता है और क्यों ?

उत्तर :- सुमेश की बात सुनकर श्रीकांत गहरे सोच में डूब जाता है। उसे यह प्रतीत होने लगता है कि सुधीर की गिरावट को इस हद तक पहुंचाने वाले कक्षा के लड़के -लड़किया और अध्यापक ही हैं। उसे सदैव सार्वजनिक रूप से प्रताड़ित ही किया जाता है, और प्रार्थना के समय पूरे विद्यालय के सामने उसे दण्डित करना अर्थात् उसका सार्वजनिक अपमान करना ही उसके स्वभाव को विद्रोही बनाता चला गया जिसके कारण वह एक बिगड़ल लड़के में परिवर्तित हो गया है।

Page no : 10

प्रश्न 9 - सुधीर पर विश्वास करके श्रीकांत ने उसमें क्या परिवर्तन लाया ?

उत्तर :- सुधीर पर विश्वास करके श्रीकांत ने उसके स्वभाव में अपने प्रति सकारात्मकता का अनुभव किया। श्रीकांत ने उसे विद्यालय के कुछ जरूरी कार्यों को संभालने की जिम्मेदारी भी दी जिससे वह अपने आप को भी उसी कक्षा के एक आदर्श छात्र की भूमिका में देख सके। इन सभी क्रियाकलापों के कारण सुधीर के स्वभाव में लगातार परिवर्तन होने लगा जिससे कक्षा के सभी विद्यार्थी और शिक्षकगणों ने भी महसूस किया। यही सब बदलाव करके श्रीकांत ने सुधीर के स्वभाव को परिवर्तित किया।

Page no : 10

प्रश्न 10 - सुधीर के व्यवहार और व्यक्तित्व में कैसे परिवर्तन आया ?

उत्तर :- सुधीर के व्यवहार और व्यक्तित्व में परिवर्तन श्रीकांत के कारण ही आया। श्रीकांत ने उसे विद्यालय तथा कक्षा के कुछ महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जिससे उसे अपनी जिम्मेदारी का एहसास हो अतः

,उसके स्वभाव में अकखड़ता के स्थान पर सौम्यता जैसे भावों का उदय होने लगा। श्रीकांत के ही प्रयासों के कारण उसके स्वभाव बातचीत का तरीका पूरी तरह से परिवर्तित हो गया, अर्थात् उसके स्वभाव में कृतज्ञता और सौम्यता जैसे भाव पनप गए।

Page no : 10

प्रश्न 11 - सुधीर के आँखों में नमी क्यों उतर आयी ?

उत्तर :- सहपाठियों और शिक्षकों की अपने प्रति उपेक्षा की भावना को देख कर सुधीर बड़ा ही उग्र होता चला गया था तथा विद्यालय में सभी उसे बिगड़ैल छात्र के रूप में ही जानते थे। परन्तु श्रीकांत के प्रयासों के कारण जब उसे विद्यालय से प्रोत्साहन मिला और उसे उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य सौंपा गया तो वह इन क्रियाकलापों को देखकर हतप्रभ से रह गया। प्रोत्साहन पाकर और उत्तरदायित्व का भार पड़ने पर सुधीर के चरित्र में अभूतपूर्व बदलाव आया। विद्यालय की ही दो लड़कियों को जब घर तक सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी सुधीर को मिली तो वह भौचक्का सा रह गया। उसने सोचा कि सबने उसे इस लायक समझा कि वह उन लड़कियों को सुरक्षित उनके घर तक पहुंचा सकता है। यही बात सोचकर उसकी आँखों में कुछ नमी सी आ गयी थी। जिसे छिपाकर उसने अपने दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी से किया।

Page no : 10

प्रश्न 12 - “श्रीकांत उसकी मौन भाषा को बखूबी समझ रहा था “पंक्ति का भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :- जब शर्मा जी ने कहा आज से मॉनीटर सुधीर होगा तब सुधीर सकुचाया सा आँखों को झुकाए। श्रीकांत को देख रहा था मानो वह कह रहा हो कि “मुझे इस ऊंचाई तक पहुंचाने में तुम्हारा ही योगदान है।

Page no : 10

प्रश्न 13 - सुधीर का परिवर्तन रूप गीता और सुप्रिया ने कब महसूस किया ?

उत्तर :- नाटक का अभ्यास करते वक्त अधिक देर होने पर उन्हें घर छोड़ने के लिए सुधीर को यह जिम्मेदारी दी गयी। सुधीर ने अपनी जिम्मेदारी का कुशलता से निर्वहण करते हुए गीता और सुप्रिया को घर पहुंचाया तब सुधीर के परिवर्तित रूप को उन दोनों ने महसूस किया।

पाठ से आगे -

Page no : 10

प्रश्न 1 - किसी कक्षा कक्ष में मॉनीटर की क्या भूमिका होती है? परस्पर विचार कर लिखिए।

उत्तर :- कक्षा -कक्ष मॉनीटर निम्नलिखित भूमिका होती है अर्थात् कक्षा में मॉनीटर सभी छात्रों का मुखिया होता है जो उनकी सभी समस्याओं का निपटारा अपनी सूझ-बूझ से करता है। किसी भी छात्र को यदि कोई परेशानी होती है तो वह पूरी लगन के साथ उसका निवारण करता है शिक्षक की अनुपस्थिति में कक्षा की व्यवस्था को बनाए रखना मॉनीटर की ही जिम्मेदारी होती है। शिक्षकों के आदेशों का पालन करते हुए तथा सभी छात्रों से भी आदेश के पालन का अनुसरण करवाना, मॉनीटर की ही जिम्मेदारी होती है।

Page no : 10

प्रश्न 2 - कक्षा आठवीं में सुधीर को सजा के रूप में पूरे स्कूल के सामने स्टेज पर खड़ा रखा गया। किसी भी विद्यार्थी को इस प्रकार से सार्वजनिक तौर पर सजा देना आपको कितना उचित लगता है? साथी से बातचीत कर इसके दोनों पक्षों पर अपनी समझ लिखिए।

उत्तर :- सुधीर को सजा के रूप में पूरे स्कूल के सामने स्टेज पर खड़ा करना अनुचित था क्योंकि विद्रोही बच्चों के प्रति उपेक्षा का भाव या दण्डात्मक कार्यवाही उन्हें और अधिक उग्र बनाती है। बच्चों को बातचीत के माध्यम से ही समझाना चाहिए जिससे उनके कोमलमन को कोई पीड़ा न पहुंचे और वे सही सबक भी सिख सकें।

Page no : 10

प्रश्न 3 - पाठ में आपको एक ही कक्षा और लगभग एक उम्र के दो किशोर बच्चों सुधीर और श्रीकांत का व्यवहार देखने को मिलता है। कौन सा व्यवहार आपको आकर्षित है और क्यों ?

उत्तर :- श्रीकांत का व्यवहार हम को आकर्षित करता है क्योंकि श्रीकांत शिष्ट एवं बुद्धिमान बालक है उसके मन में किसी के प्रति द्वेष की भावना नहीं थी। सुधीर श्रीकांत से जलता था किन्तु फिर भी श्रीकांत ने उसे सही रास्ते पर लाने के लिए अथक प्रयास किये जो की सराहनीय है। यही नहीं विद्यालय के अध्यापकों और विद्यार्थी गण को भी उसके स्वभाव को बदलने के लिए समझाया जिसके परिणाम स्वरूप सुधीर के स्वभाव में अचंभित कर देने वाले गुणों को उदय हुआ।

Page no : 10

प्रश्न 4 - सुधीर की माँ ने बताया कि सुधीर ने चार-पाँच वर्ष पूर्व से अपना जन्मदिन मनाना छोड़ दिया था। सुधीर ने ऐसा क्यों किया होगा? साथियों से वार्तालाप कर कल्पना अथवा अनुमान से इस प्रश्न का उत्तर लिखिए।

उत्तर:- सुधीर के गलत संगत के पड़ने के कारण उसके सभी दोस्तों ने उससे बात चीत करना बंद कर दिया था। वह अकेलापन महसूस करता था। अतः इसी एकाकी पन के कारण उसने अपना जन्मदिन मनाना ही छोड़ दिया था।

Page no : 10

प्रश्न 5- कल्पना कीजिये आप अगर श्रीकांत के स्थान पर कक्षा के मॉनीटर होते और आप के किसी साथी का आपके प्रति व्यवहार सुधीर की तरह होता तो आप क्या करते? उन्हें लिखिए।

उत्तर :-हम यदि श्रीकांत के स्थान पर मॉनीटर होते और हमारे किसी साथी का हमारे प्रति व्यवहार सुधीर की तरह होता तो हम भी श्रीकांत की तरह उसे प्रोत्साहित कर सुधारने का प्रयास करते। अर्थात् यह जानने की जरूर कोशिश करते की उसका यह स्वभाव किस कारण से हो गया है। अतः उचित कदम उठाते कि उसका स्वभाव सबके प्रति बदल सके।

भाषा से -

Page no : 10

प्रश्न 1 - पाठ में आया है कि “सुधीर को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला जो गुणबोधक विशेषण है। गुणबोधक विशेषणों में प्रायः एक तुलना का भाव देखने को मिलता है। जैसे श्रेष्ठ (मूल अवस्था) श्रेष्ठतर (उत्तर अवस्था अर्थात् दो विशेष्यो में तुलना भाव) श्रेष्ठतम (उत्तम अवस्था अर्थात् सभी विशेष्यो में सबसे अच्छा) उत्तर और उत्तम अवस्थाओं के बोधक संस्कृत के तर और तम प्रत्यय हैं। इन प्रत्ययों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित शब्दों को तीनो गुणबोधक विशेषण स्वरूप को बदलते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए -उच्च ,वृहत ,गुरु ,प्राचीन,लघु अधिक।

उत्तर :-

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
उच्च	उच्चतर	उच्चतम्
वृहत	वृहतर	वृहत्तम्
गुरु	गुरुवर/ गुरुत्तम्	गुरुतम्
प्राचीन	प्राचीनतर	प्राचीनतम्
लघु	लघुतर	लघुत्तम्
अधिक	अधिकतर	अधिकतम्

Page no : 11

प्रश्न 2 - निम्नलिखित तालिका में दिए गए विशेषणों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए। एक उदाहरण आपके लिए हल किया गया है :-

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
गहरा	गहराई
बड़ा	
गुरु	
सुन्दर	
मधुर	

हल :-

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
गहरा	गहराई
बड़ा	बड़ाई
गुरु	गुरुत्व
सुन्दर	सुंदरता
मधुर	मधुरता

Page no : 11

प्रश्न 3 - आपने तत्सम ,तदभव ,देशज और विदेशज शब्दों के बारे में पढ़ा है। पाठ गुस्सैल और अक्खड़ शब्द का प्रयोग हुआ है जो देशज है अर्थात वैसे शब्द ,जिनका जन्म स्थानीय तौर पर हुआ है। पाठ से और अपने स्थानीय परिवेश में प्रयुक्त ऐसे पांच शब्दों को चुनकर वाक्य में प्रयोग कीजिए जो देशज शब्द कहे जाते हैं।

उत्तर :- देशज शब्द - (i)खटिया (ii)कटोरा (iii)चद्दर (iv)कलाटी (v)मिरचा (vi)खिड़की (vii)पकौड़ा (viii)चिड़िया

वाक्य में प्रयोग -

(i)खटिया	खटिया पर दादा जी सोते हैं।
(ii)कटोरा	भिखारी का कटोरा खाली है।
(iii)चद्दर	खटिया पर चद्दर बिछी है।
(iv)मिरचा	मिरचा का पौधा अभी छोटा है।
(v)कलाटी	वह कलाटी से धान की कटी बलियों को खींच रहा था।
(vi)खिड़की	हमारे घर में दो खिड़की हैं।
(vii)पकौड़े	माँ ने बेसन के पकौड़े बनाये।
(viii)चिड़िया	चिड़िया चहक रही है।

Page no : 11

प्रश्न 4 - इस पाठ में निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग हुआ है -

तिरछी आँखों से घूरना ,बात करने में कतराना ,हाथ होना ,फटी -फटी आँखों से देखना। पाठ में इन मुहावरों से बने वाक्यों को तलाश कर लिखिए। फिर इन मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।
उत्तर :-

(i) तिरछी आँखों से घूरना	सुधीर श्रीकांत को तिरछी आँखों से घूर रहा था।
(ii)बात करने में कतराना	सुधीर अध्यापक से बात करने में कतराता है।
(iii)हाथ होना	सुधीर के व्यवहार में परिवर्तन के पीछे श्रीकांत का हाथ था।
(iv)फटी -फटी आँखों से देखना	सुधीर फटी -फटी आँखों से श्रीकांत को देखने लगा।

Page no : 11

प्रश्न 5 - अक्खड़ विशेषण शब्द है। इसमें बाज जोड़कर अक्खड़बाज बना है। बाज का अर्थ माहिर होने के भाव से है। आप भी किन्हीं दो अन्य शब्दों में बाज जोड़कर नए शब्द बनाइए और उनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिये।

उत्तर :- पतंगबाज - रामू बहुत बड़ा पतंगबाज है।

धोखेबाज - हमें धोखेबाजों से बचकर रहना चाहिए।

Page no : 11

प्रश्न 6 - इस कहानी को संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर :- श्रीकांत और सुधीर एक ही कक्षा में पढ़ते थे। श्रीकांत पढ़ने में प्रतिभाशाली था। सुधीर शरारती गुस्सैल तथा अक्खड़ स्वभाव का लड़का था। सुधीर समय समय पर श्रीकांत को अप्रत्यक्ष रूप से धमकी देता था। श्रीकांत ने ऐसा महसूस किया कि सुधीर को इस हद तक गिराने में लड़के-लड़कियाँ और अध्यापक इन सभी का हाथ हैं। श्रीकांत ने सोचा कि उस जिम्मेदार लड़का मानकर काम सौंपा जाए, हर काम में उसका सहयोग करे और सलाह ली जाये तो वह सुधर सकता है। विद्यालय की वार्षिक उत्सव की तैयारी के लिए श्रीकांत ने सुधीर को एक नाटक में शक्ति सिंह की भूमिका दिलवाने के लिए सिफारिश की। नाटक के मंथन के बाद सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार भी सुधीर को मिला। सुधीर ने श्रीकांत का वह बात मानना प्रारम्भ किया। सुधीर को सुप्रिया तथा गीता को उनके घर छोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी। उस जिम्मेदारी को सुधीर ने अच्छी तरह निभाया। एक बार विद्यालय के सभी छात्र छात्राएं पिकनिक पर जाने के लिए श्रीकांत ने पैसे इकट्ठे करने की जिम्मेदारी भी सुधीर को सौंप दी। सभी छात्र सुधीर के जन्मदिन पर उसके घर गए। घर जाकर उसे बधाई दी सभी ने मौज मस्ती के बाद में श्रीकांत के कहने पर कक्षा अध्यापक उसे कक्षा का मॉनिटर बना दिया। यदि बिगड़ैल बच्चों को प्रोत्साहन मिले उनका उत्तरदायित्वपूर्ण काम सौंपा जाये तो सामान्य बच्चों से अधिक अच्छा कार्य कर सकते हैं। प्रस्तुत कहानी में इसी सिद्धांत को बड़े ही सजीव तरीके से किया गया है।